सक्सेस स्टोरी-1

नाम :- देवन्ती देवी
पता :- औरंगाबाद, बिहार
मो० :- +91-6202964380

नगर निकाय का नाम:- औरंगाबाद नगर परिषद्
पता :- ओल्ड जि०टी० रोड, ब्लॉक मोर, औरंगाबाद

"हर छोटी बदलाव बड़ी कामयाबी का हिस्सा होती है"

इस सोच को सच कर दिखाया है औरंगाबाद मे रहने वाली "55" वर्षीय महिला देवन्ती देवी ने, एक गरीब परिवार मे जन्मी देवन्ती देवी का बचपन बहुत ही असाधारण थी, करीब 35-36 साल पहले देवन्ती जी विवाह कर औरंगाबाद जिला के टिकरी वार्ड न०-10 में आयी थी. जब वह अपने ससुराल आयी तो घर कि आर्थिक स्थिति काफी कमजोर थी, वह एक साल अपने ससुराल में रही और फिर अपना मायका चली आयी, एक साल मायका में रहने क बाद जब वह वापस आयी तो ससुराल कि आर्थिक स्थिति और भी बिगड़ चुकी थी, जैसे-तैसे घर चलता था, पति मजदूरी करते थे, धीरे-धीरे समय जैसे-तैसे व्यतित हो रहा था, समय के साथ देवन्ती जी का परिवार भी बढ़ने लगा था उनकी पांच लड़की एवं एक लड़का भी अब परिवार में बढ़ चुके थे, एक तो पहले से आर्थिक तंगी उपर से परिवार में वृद्धि होने से परिवार के भरण-पोषण में बहुत कठिनाईयां हो रही थी, भुखमरी जैसी हालत हो गई थी।

" DAY-NULM से जुड़ाव एवं आर्थिक स्थिति में बदलाव"

देवन्ती जी बताती है, कि वर्ष 2017 में जब उन्हें "राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन" के अतर्गत कार्यरत आजीविका दीदी के द्वारा स्वयं सहायता समूह के बारे मे बताया गया कि कैसे समूह से जुर कर छोटी-छोटी बचत कर अपने आजीविका में सुधार लाया जा सकता है और साथ ही सरकार कि विभिन्न योजनाओ से जुड़ कर योजनाओं का लाभ भी मिल सकता है । प्रारंभ में, मै आजीविका दीदी के द्वारा बताये गए बातो पर जायदा ध्यान नहीं दी, और जैसे-तैसे अपनी और अपने परिवार का भरण पोषण कर रही थी, देवन्ती जी बताती है कि वर्ष 2017 में उनको अपनी ज़िंदगी में सबसे बुरा वक्त का सामना करना पड़ा, उनका एक मात्र पुत्र एक गंभीर बीमारी के चपेट में आकर इलाज के आभाव में मृत्यु को प्राप्त हो गया और वह बहुत दुखी रहने लगी, तभी उनकी पड़ोस कि कुछ महिलाये उनको सांत्वना देते हुए "राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन" के अतर्गत गठित स्वयं सहायता समूह से जुड़ने के सलाह दी और बताई कि समूह से जुड़ने से आपकी मानशिक एवं आर्थिक स्थिति मे बदलाव आएगी । देवन्ती जी बताती है कि यहाँ से इनकी जिंदगी मे सबसे बड़ा बदलाव शुरु हुआ, वो आजीविका दीदी से संपर्क कर वर्ष 2018, के दिसम्बर माह में "**चंचल स्वयं सहायता समूह**" से जुड़ी और समूह के पंच सूत्र नियमो का पालन करते हुए छोटी-छोटी बचत कर और समूह से ऋण लेकर अपने ही घर पर एक छोटी सी श्रृंगार की दुकान शुरु कि ।

समूह में बैठक करते हुई देवन्ती देवी

DAY-NULM AURANGABAD NAGAR PARISHAD BIHAR

सक्सेस स्टोरी-1

अब देवन्ती जी कि आर्थिक स्थिति में धीरे-धीरे सुधार आना शुरु हो गया था, इस छोटी सी शुरुआत से उनकी हिम्मत और हौसले मे मानो जैसे पंख लग गया हो ।

"DAY-NULM के स्वरोजगार कार्यक्रम (SEP-I) के अंतर्गत ऋण कि प्राप्ति"

देवन्ती जी बताती है कि "राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन" के अतर्गत वर्ष 2021 में एक बार समूह के मासिक बैठक DAY-NULM के नगर मिशन प्रबंधक सर कि अध्यक्षता में आयोजित की गई और उनके द्वारा बैठक में "स्वरोजगार कार्यक्रम"(SEP) के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई एवं आत्मनिर्भर बनने की बात कही गई और साथ ही सरकार की विभिन्न योजनाओ के बारे में भी बताया गया जैस कि - प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, जन धन योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना ,उज्ज्वल योजना, राष्ट्रीय पोषण मिशन, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना अदि, देवन्ती जी बताती है कि आजीविका दीदी के सहयोग से उनको भी उज्ज्वल योजना एवं प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना का लाभ मिला जिनसे उनका हौसला और बढ़ गया, साथ ही आजीविका दीदी के सहयोग से "स्वरोजगार कार्यक्रम"(SEP) के अंतर्गत उनका ऋण आवादन को भी स्वीकृति मिली और दक्षिण बिहार ग्रामीण बैंक के द्वारा उनको DAY-NULM के स्वरोजगार कार्यक्रम (SEP-I) के अंतर्गत ऋण की प्राप्ति हुई, जिसे उन्होंने अपनी छोटे से श्रृंगार के दुकान को और भी बड़ा किया और अपने पति के साथ मिलकर श्रृंगार दुकान को चलाने लगी । अब उनकी आर्थिक स्थिति पहले की अपेक्षा काफी बदल गई है, देवन्ती जी बताती है कि वो तो गरीबी और आर्थिक तंगी के कारण अपना पढ़ाई नहीं कर पाई परन्तु अपनी बेटियो को शिक्षित कर आत्मनिर्भर जरुर बनायेगी जिससे के उनकी बेटियो को उनकी तरह आर्थिक तंगी से ना गुजरना पड़े ।

अपनी दुकान में देवन्ती देवी ग्राहकों को समान देती हुई

"आत्मविश्वास ने बदले दिन"

देवन्ती जी के आत्मविश्वास ने उनके दिन बदल है, अब वह सिर्फ अपने लिए ही नहीं बल्कि समाज कि उन हर गरीब महिलाओं के लिए प्रेरणा बन चुकी है जो कि आर्थिक रूप से कमजोर और लाचार बन चुकी है, देवन्ती जी उन सभी महिलाओं को "राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन" के अंतर्गत स्वयं सहायता समूह से जुड़कर छोटी-छोटी बचत कर आत्मनिर्भर एवं स्वावलंबी बनने की बात बताती हैं ।

"संदेश"

देवन्ती देवी कहती है की "हर बड़े बदलाव की शुरुआत एक छोटी बदलाव से ही होती है"

PREPARED BY: - MANI SHANKAR & UJJWAL GAURAV
CITY MISSION MANAGER
NAGAR PARISHAD AURANGABAD, BIHAR

DAY-NULM AURANGABAD NAGAR PARISHAD